हिंदी आशुलिपि परीक्षा–जुलाई, 2014

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

प्रश्न-पत्र–प्रथम

बैच-II

डिक्टेशन का समय : 5 मिनट | पूर्णांक : 100

लिप्यंतरण का समय : 50 मिनट | (गति : 80 शब्द प्रति मिनट)

अध्यक्ष महोदय, मैं, इस सदन में चल रही बहस में भाग लेते हुए अपने कुछ विचार सदन के समक्ष रखना / चाहता हूं । मुझे यह आशा थी कि सरकार उचित दृष्टिकोण से काम लेगी तथा वर्तमान सूखे की दशा में किसानों // को राहत पहुंचाने की कोई योजना सदन के सामने रखेगी परंतु ऐसा नहीं हो सका । मुझे बड़े दुख के साथ /// यह कहना पड़ रहा है कि सरकार इस विषय के बारे में पूरी तरह से गंभीर
(1) नहीं है । ऐसा लगता × है कि सरकार को किसानों से कोई हमदर्दी नहीं है । यदि ऐसा नहीं होता तो क्या हमारे कृषि मंत्री सिंचाई / के बारे में कोई योजना पेश करके उचित बिक्री मूल्य निर्धारित नहीं करते ? इसलिए यदि आप सही अर्थों में किसानों // को राहत पहुंचाना चाहते हैं, उनकी सहायता करना चाहते हैं तो आपको जल्दी ही कोई व्यापक योजना सरकार की /// ओर से सदन में रखनी चाहिए । आज हम
(2) जानते हैं कि किसानों के पास अपने खाने तक के लिए अन्न नहीं है । × वह कर्ज लेकर अनाज खरीद रहे हैं तथा अपना और अपने बच्चों का पेट भर रहे हैं । / ऐसी स्थिति में आपको क्या करना चाहिए शायद यह आपको बताने की आवश्यकता नहीं है ।

महोदय, इस बजट के बारे // में मेरा कहना है कि हमारे देश के गरीब लोगों की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है और सदन के /// माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि पिछले बजट में जो घाटा
(3) था और जिन स्थितियों में माननीय मंत्री × जी ने यह बजट पेश किया था उसको भी समझ लेने की जरूरत है । उस घाटे को कैसे पूरा/ किया जाए यह भी एक बहुत बड़ा उत्तरदायित्व हमारे वित्त मंत्री जी पर है । इस बजट में जिस तरह से // वित्त मंत्री जी ने इस बात की घोषणा की है कि जिस तरह से हमारे देश में उत्पादन के क्षेत्र /// में प्रगति हो रही है, उससे लगता है कि आने वाले समय में हमारे देश को किसी
(4) भी विदेशी बैंक × से कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं होगी । जब हम विदेशी बैंकों से कर्ज लेते थे तो अन्य दलों के / लोग उसकी आलोचना करते थे, लेकिन अब जब उन्होंने यह घोषणा की है तो हमें उनकी घोषणा // का स्वागत करना चाहिए । मुझे आशा है कि बजट में किए गए प्रावधानों से घाटा अवश्य ही कम /// होगा और देश विकास के रास्ते पर बढ़ता रहेगा । यह एक प्रगतिशील बजट होगा और जनता
(5) बढ़ती हुई मंहगाई × से कुछ राहत पा सकेगी ।

———